आठ लाख टन चीनी निर्यात के लिए अनुबंध

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरप्लस चीनी की समस्या झेल रही भारतीय चीनी मिलों ने अब तक मध्य-पूर्व और श्रीलंका जैसे देशों को करीब आठ लाख टन चीनी निर्यात करने के लिए अनुबंध किए हैं। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि इसमें से कच्ची चीनी (रॉ शुगर) के लिए छह लाख टन का और चीनी (व्हाइट शुगर) के लिए दो लाख टन का अनुबंध किया गया है। उन्होंने कहा कि चीनी का निर्यात बढ़ाने के लिए हम कई देशों से वार्ता कर रहे हैं। चीन ने खरीदारी के लिए सहमति दी है और इंडोनेशिया से भी बात चल रही है। सरप्लस चीनी को निकालने के लिए सरकार ने देश के चीनी मिलों को 2018-19 मार्केटिंग सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में 50 लाख टन चीनी का अनिवार्य तौर पर निर्यात करने के लिए कहा है। इसके लिए सरकार आंतरिक परिवहन, फ्रेट, हैंडलिंग तथा अन्य शुल्कों की भरपाई भी कर रही है।

2017-18 मार्केटिंग वर्ष में देश में रिकॉर्ड 3.25 करोड़ टन चीनी का उत्पादन हुआ था। चालू मार्केटिंग वर्ष में भी इतना ही या थोड़ा कम उत्पादन होने का अनुमान है। घरेलू मांग हालांकि सालाना करीब 2.6 करोड़ टन का है।

Dainik Jagran

12/11/2018